अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/3/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिहन न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
   - उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
   - उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
   - उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
   - उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
   - आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
   - योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
   - उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
   - कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
   - उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखे।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series E1GFH/3 प्रश्न-पत्र कोड 29/3/1 से 3

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/3/1	29/3/2	29/3/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	1	2	(i) (c) दुखों की दवा होने के कारण (ii) (c) शरीर और बुद्धि को मिलने वाला बल (iii) (b) शिथिल और पीड़ित नसों में बल और स्फूर्ति आ जाती है। (iv) (c) विधाता-फोटोग्राफर को आजीवन मुस्कान की चाह से (v) (d) हास्य की दुग्ध-धवल-चाँदनी वाला मुख (vi) (a) उसके शीतल जल की छींटों से मन प्रफुल्लित होता है (vii) (b) वह निश्छल है (viii) (c) उदासी मिटती है—शत्रुता समाप्त होती है (ix) (b) विदूषक के द्वारा (x) (b) दूसरों की नींद हराम न हो जाय।	**10 x 1 = 10**
2	2	2	1	काव्यांश-1 (क) (i) (d) गाँव के प्राकृतिक दृश्यों का (ii) (a) मानवीकरण (iii) (c) पतली और लचीली होने के कारण तन कर सीधी हो जाती है (iv) (c) प्रेम करना (v) (c) गाँव के खेत के (vi) (c) शोषक का (vii) (b) हाथ पीले कर लिए हैं (viii) (b) पंख फैलाए सारस के संग खेतों में प्रेम कहानी सुने **अथवा** काव्यांश-2 (ख) (i) (d) माँ का व्यक्तित्व और ममता वर्णनातीत होने के कारण (ii) (a) जीवों के प्रति दया	**8 x 1 = 8**

				(iii) (a) माँ द्वारा अनाज पीसने के लिए चक्की चलाना (iv) (d) माँ के परिश्रम का कष्ट (v) (d) पुत्र को योग्य बनाने के लिए हर प्रकार के कष्ट सहन किए हैं। (vi) (d) पुत्र के प्रति ममता (vii) (c) कवित्व शक्ति (viii) (c) माँ के प्रति अनुपम भक्ति	
3	**3**	**3**	**3**	(i) (c) निर्धनों और अनपढ़ों के लिए यह माध्यम अनुपयुक्त है क्योंकि इसमें धन और कौशल की जरूरत होती है। (ii) (c) संपादकीय लेखन (iii) (c) लाइव (iv) (d) प्रभासाक्षी (v) (b) फ्रीलांसर पत्रकार	**5 x 1 = 5**
4	**4**	**5**	**4**	(i) (d) बाल मनोविज्ञान (ii) (a) जिस तरफ पतंग भागी जा रही है (iii) (b) अनुप्रास (iv) (c) प्रत्येक व्यक्ति का अपना-अपना यथार्थ होता है (v) (b) बच्चों की निश्छलता (vi) (c) बच्चों का अपना दृष्टिकोण होता है	**6 x 1 = 6**
5	**5**	**4**	**5**	(i) (b) भगवान स्वयं संवदिया को विशिष्ट गुणों से युक्त कर भेजते हैं। (ii) (a) संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रख उसी स्वर, लहजे में सुनाकर। (iii) (d) निठल्ला, कामचोर, पेटू व्यक्ति। (iv) (b) किसी प्रकार की जिम्मेदारी न होना (v) (c) संवाद के प्रत्येक शब्द को मूल रूप में उसी स्वर में सुनाना (vi) (a) खबरिया, खबरगीर, खबरी	**6 x 1 = 6**
6	**6**	**6**	**6**	(i) (b) हार न मानकर, सृजन करने की प्रवृति (ii) (c) बड़े गुलाम अली खाँ साहब की गाई पहाड़ी ठुमरी शैली (iii) (b) माँ के दूध के साथ-साथ चाँदनी के सौंदर्य का पान करता है (iv) (b) पर्यावरण के प्रति सचेत किया है। (v) (d) अधिकाधिक वृक्ष लगाना – प्लास्टिक की थैलियों पर प्रतिबंध	**5 x 1 = 5**

				खंड ब **वर्णनात्मक प्रश्न**	
7	**7**	**7**	**7**	तीन शीर्षकों में से किसी ***एक*** शीर्षक पर सृजनात्मक लेखन लगभग 120 शब्दों में अपेक्षित : भूमिका : 1 अंक विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक	**5**
8	**8**	**8**		(क) • भावानुकूल शब्दों का चयन • भाषा के उपकरण • लय का समावेश • प्रसंगानुसार शब्दों का तालमेल • तुकबंदी • छंद (आंतरिक लय) • बिंब (चित्र भाषा) • कविता में ऐन्द्रिक पकड़ • समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियाँ (ख) • नाटक को प्रारंभ से लेकर आखिर तक एक निश्चित समय-सीमा के अंदर पूरा करना अनिवार्य • दर्शकों में एक निश्चित समय- सीमा तक बैठने की क्षमता • नाटक को रुचिकर बनाना • दर्शक को बोझिल होने से बचाना (ग) कहानी का संक्षिप्त रूप जिसमें प्रारंभ से अंत तक कहानी की सभी घटनाओं और पात्रों का उल्लेख हो, कथानक कहलाता है। • कथानक कहानी का प्रारंभिक रूप • कहानीकार की कल्पना 'कोरी कल्पना' नहीं • कथानक के विकास में कल्पना सहायक • उद्देश्य प्राप्ति में सहायक (क) • भावानुकूल शब्दों का चयन • भाषा के उपकरण	**2 x 3 = 6**

				• लय का समावेश • प्रसंगानुसार शब्दों का तालमेल • तुकबंदी • छंद (आंतरिक लय) • बिंब (चित्र भाषा) (ख) • दृश्य काव्य • नाटक में रंगमंचीयता, दृश्य संकेत, ध्वनि-संकेत, प्रकाश व्यवस्था और भाव-संकेत • नाटक का लिखित रूप से दृश्यता की ओर अग्रसर होना (ग) कहानी में चरित्र- चित्रण के उपाय • लेखक का स्वयं कथानक के आधार पर पात्रों का सृजन करना • अन्य पात्रों के कथन द्वारा • पात्र का स्वयं के कार्यों व भाव- भंगिमा द्वारा चरित्र का उद्घाटन	
			8	(क) • भावानुकूल शब्दों का चयन • लय का समावेश • प्रसंगानुसार शब्दों का तालमेल • तुकबंदी • छंद (आंतरिक लय) • बिंब (चित्र भाषा) (ख) • संवाद द्वारा नाटक को गति, पात्रों का स्थापन और विकास • सरल, पात्रानुकूल ,जिज्ञासापूर्ण , स्वाभाविक और भावानुकूल संवाद • सशक्त और संप्रेषणीय संवाद • परिवेश के अनुसार सहज़ संवाद अपेक्षित (ग) • कथानक कहानी का केंद्रीय बिंदु • कहानी का प्रारंभिक नक्शा	

				• कथानक में ही प्रारंभ से लेकर अंत तक कहानी की सभी घटनाओं, पात्रों, देशकाल, वातावरण, द्वंद्व और उद्देश्य का उल्लेख • कथानक को पात्रों के क्रिया कलापों, संवादों से सशक्त बनाया जाता है। • कहानी में द्वंद्व भी महत्त्वपूर्ण होता है उससे कहानी का कथानक आगे बढ़ता है।	
9	9			(क) उलटा पिरामिड शैली • इसका प्रयोग 19 वीं सदी में प्रारंभ हुआ और विकास अमेरिका के गृहयुद्ध के बाद हुआ। • सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना (क्लाइमेक्स) ऊपर होती है और उसके बाद घटनाएँ महत्व के आधार पर घटते क्रम में प्रस्तुत की जाती हैं। • धीरे-धीरे इस शैली का विकास हुआ और समाचार लेखन की मानक शैली बन गयी। • लोकप्रिय शैली है – छह ककारों की प्राथमिकता रहती है – विवरणात्मक, व्याख्यात्मक तथा विश्लेषणात्मक पहलू पर बल दिया जाता है। (ख) फीचर/समाचार में अंतर • फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है। समाचार पाठकों को तत्काल घटनाक्रम से अवगत कराता है। • समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं जबकि फीचर लेखन की कोई एक निश्चित शैली नहीं होती तथापि फीचर लेखन में कथात्मक शैली प्रमुख होती है। • समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है जबकि फीचर वैयक्तिकता पर आधारित होता है। • फीचर की तरह समाचार लेखन में रिपोर्टर अपना दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर नहीं कर सकता।	2 x 3 = 6

<table>
<tr><td></td><td></td><td>9</td><td></td><td>(क) फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है।
• फीचर लेखन की कोई एक निश्चित शैली नहीं होती तथापि फीचर लेखन में कथात्मक शैली प्रमुख होती है।
• फीचर वैयक्तिकता पर आधारित होता है।
• सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाला
(ख) विशेष लेखन--
समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में सामान्य खबरों के अलावा गहरी छानबीन, विश्लेषण, व्याख्या के आधार पर खास रिपोर्ट प्रकाशित होती है जो किसी घटना, समस्या/मुद्दा की गहरी छानबीन पड़ताल करके की जाती है।
• बोधगम्य और सारगर्भित भाषा
• सामान्य लेखन से अलग-विशेष तकनीकी शब्दावली का प्रयोग।</td><td></td></tr>
<tr><td></td><td></td><td></td><td>9</td><td>(क) फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है।
• फीचर लेखन की कोई एक निश्चित शैली नहीं होती तथापि फीचर लेखन में कथात्मक शैली प्रमुख होती है।
• फीचर वैयक्तिकता पर आधारित होता है।
• सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाला
(ख) फीचर/समाचार में अंतर
• फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है। समाचार पाठकों को तत्काल घटनाक्रम से अवगत कराता है।
• समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं जबकि फीचर लेखन की कोई एक निश्चित शैली नहीं होती तथापि फीचर लेखन में कथात्मक शैली प्रमुख होती है।
• समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर दिया जाता है जबकि फीचर वैयक्तिकता पर आधारित होता है।</td><td></td></tr>
</table>

				• फीचर की तरह समाचार लेखन में रिपोर्टर अपना दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर नहीं कर सकता।	
10	**10**			(क) धरती – मन की भूमि • दोनों सृजनात्मक शक्ति से पूर्ण • पत्थर और चट्टान सृजन प्रक्रिया में बाधक-बीज का पोषण नहीं हो पाता। मन की भूमि में झुंझलाहट के कारण भावों का पोषण नहीं हो पाता। • खेत की गुड़ाई कर उसे उर्वर बनाया जाता। मन की खीज को दूर करके उसे सृजनात्मक बनाना। (ख) • राम के वनगमन के स्मरण से कौशल्या का हतप्रभ होना • दीवार पर अंकित चित्र के समान जड़वत हो जाना (ग) • सुजान द्वारा घनानंद के प्रेम की अवहेलना • घनानंद के प्रेम का उद्दात्त स्वरूप	**2 x 2 = 4**
		10		(क) दीप व्यक्ति का प्रतीक है। व्यक्ति सर्वशक्तिमान और सर्वगुण संपन्न है। उसकी अपनी व्यक्तिगत सत्ता है। उसमें आत्मबोध है। स्नेह और गर्व के भार से युक्त होने पर भी अपने अहंकार के मद कारण अपनों से अलग है, अकेला है। (ख) • कवि को वसंत का ज्ञान – प्रकृति में हुए परिवर्तनों, वृक्ष पर चिड़ियों के कुहुकने, सूखे पीले पत्तों के गिर जाने और उनकी चरमर ध्वनि से नहीं हुआ बल्कि कैलेंडर और दफ्तर में मिली छुट्टी से हुआ। • क्योंकि आधुनिकता की आपा-धापी में मनुष्य प्रकृति से दूर हो गया है। (ग) • पत्थर और चट्टान सृजन मार्ग में आने वाली बाधाओं का, मन में व्याप्त ऊब और खीज का	
			10	(क) • सुजान घनानंद की प्रेमिका • सुजान द्वारा घनानंद के प्रेम की अवहेलना • घनानंद के प्रेम का उद्दात्त स्वरूप	

				• एक बार दर्शन देने की कामना से सुजान को बार-बार संबोधित करना (ख) इस प्रश्न पर पूर्ण अंक दिए जाएँ यदि विद्यार्थी ने कोई भी उत्तर लिखा है । (ग) • बनारस में वसंत का आगमन अचानक • चतुर्दिक उल्लास • अभावग्रस्त लोगों के जीवन में खुशी • बंदरों की आँखों में अजीब-सी नमी • भिखारियों के कटोरे भर जाना	
11	**11**	**12**	**11**	कविता—–बनारस कवि—– केदारनाथ सिंह **अथवा** कविता—– बारहमासा कवि—– मलिक मुहम्मद जायसी संदर्भ और प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	**6**
12	**12**	 **11**		(क) • रूप का संबंध वस्तु या व्यक्ति के आकार और गुणों से जबकि नाम का संबंध समाज से • रूप व्यक्ति सत्य और नाम समाज सत्य • नाम को सामाजिक स्वीकृति (ख) विद्यार्थियों द्वारा दिया गया अपेक्षित उत्तर स्वीकार्य (ग) • भारतीय संस्कृति और परिवेश को न समझना • पश्चिमी देशों के प्रारूप पर योजनाएँ बनाना • प्रकृति और मनुष्य का संस्कृति से कट जाना और मनुष्य का विस्थापन (क) • पिता फारसी के अच्छे ज्ञाता और उनका फारसी और हिन्दी की कविताओं का मिलान करना	**2 x 2 = 4**

			12	• पिता द्वारा 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' घर में सबको सस्वर सुनाना • साहित्य प्रेमी मित्र-मंडली • पं. केदार नाथ पाठक के पुस्तकालय से हिंदी पुस्तकें पढ़ना (ख) • प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट होना • विस्थापन और पर्यावरण संबंधी समस्या • प्रकृति, मनुष्य और संस्कृति के बीच असंतुलन (ग) • शेर व्यवस्था/ सत्ता का प्रतीक • ऊपर से देखने में अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार परंतु भीतर से खूँखार (क) • सामान्य से सामान्य वस्तु का भी विशेष गुणों से युक्त होना • कुटज की अपराजेय जीवनी शक्ति • स्वावलंबन और आत्मविश्वास और विषम परिस्थितियों में जीने की क्षमता से प्रभावित होना • हाशिये के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए • उसके महत्त्व को सबके सामने लाना (ख) • धर्म के दस लक्षण • नौ रसों के उदाहरण • चन्द्रग्रहण कैसे लगता है • इंगलैंड के राजा हेनरी आठवें की स्त्रियों के नाम • पेशवाओं का कुर्सीनामा • बड़ा होकर क्या करेगा (ग) **बैकुंठ** – अतुलनीय प्राकृतिक सौंदर्य के कारण **काला पानी** – चारों ओर फैले घने जंगलों के कारण, यातायात के सीमित साधनों के कारण	
13	13	14	14	पाठ—दूसरा देवदास लेखिका—ममता कालिया संदर्भ और प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	6

14	**14**	**13**	**13**	(क) • सूरदास को सबक सिखाने के लिए • सामाजिक बदनामी का बदला लेने के लिए • ईर्ष्या-भाव के कारण • सुभागी को बहकाने का शक होने के कारण बदला न लेने के कारण • सूरदास की सकारात्मक सोच • गाँधीवादी विचारधारा **अथवा** (ख) • नदियों के जल को प्रदूषित होने से बचाना • वृक्षों को लगाना और कटने से बचाना • औद्योगिक संस्थान शहर से दूर स्थापित करना (विद्यार्थियों द्वारा लिखित अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)	**3**